(b) whether it is a fact that Pakistani citizens intending to visit Jammu and Kashmir State and Indian citizens ' . of Jammu and Kashmir State intending to visit Pakistan have to cross through the Wagah border in Punjab;

(c) whether it is also a fact that Suchit Garh in Jammu is a better place for such transit;

(d) if the answer to part (c) above be in the affirmative, whether Government propose to take up the matter with the Pakistan Government; and

(e) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): (a) Issue of visas to 2798 such Pakistani citizens was authorised during' 1982, 1983 and 1984. Visas to Indian citizens for visiting Pakistan are granted by the Pakistani authorities and Government of India have no records about the same.

(b) Visitors holding visa for rail road journey cross Wagah |Attari border. Other passengers use Karachi] Lahore airports in Pakistan and Bombay] Delhi airports in India for inter-country visit as provided in the Indo-Pak Visa Agreement of 1974.

(c) to (e) Indo-Pak Visa Agreement of 1974 does not provide Suchit Garh as designated checkpost for inter-country visits. At present no proposals for changing the designated checkposts are being considered for entryjexit for the nationals of either country going to [coming from the other country.

Air fare from Delhi to Srinagar

450. SHRI GHULAM RASOOL KAR: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

fa) what is the total number of services which ar operated from Delhi to Srinagar directly or indirect-

(0) what is the air fare for journey from (i) Delhi to Srinagar, (ii) Delhi to Srinagar *via* Chandigarh and (iii) Delhi to Srinagar *via* Amristar; and

(e) what are the reasons for the disparity in. the air 'fare for journey from (i) Delhi to Srinagar direct (ii) (iii) Delhi to Srinagar *via* Amritsar; Delhi to Srinagar *via* Jammu?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI ASHOK GEliLOT): (a) Three services.

(b) The air fare from Delhi to Srinagar direct or *via* Chandigarh Amritsar (without break in journey) is the same *i.e.* Rs. 549.

(c) As stated at (b) above, there is no disparity in the air fare from Delhi to Srinagar whether the journey is performed directly or *via* Amritsar or Jammu. If, however, a passenger breaks journey at the intermediate points at Amritsar and Jammu, each leg of the journey is treated as an independent journey for which sectoral fare is charged in accordance with the approved Indian Airlines fare taper. The sum total of such sectoral fares is more than the fare for the journey performed directly.

भवन निर्माण के लिए सस्ती तकनीक

451. श्री राम चन्द्र विकल : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भवन निर्माण हेतु केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की, द्वारा विकसित सस्ती तकनीक की उपयोगिता को प्रभावी बनाने के लिए कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है;

(ख) क्या इस तकनीक से दिल्ली अथवा किसी अन्य महानगर में भवन निर्माण के लिए कोई योजनाएं तैयार की गई हैं;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि हीं, तो सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

विज्ञान और प्रोद्योगिकी मंत्रालय और महासागर विकास, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और इलैक्ट्रानिकी विभागों में राज्यमंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) केन्द्रीय भवन अनुसधान संस्थान (सी बी आर आइ) रुड़की, द्वारा विकसित की गई सस्ती तकनीकें नेशनल बिल्डिंग आर्गेनाईजेशन की प्रायोगिक परियोजनाओं में सम्मिलित की जा रहीं हैं ताकि भवनों के निर्माण में उनका प्रभावी उपयोग किया जा सके।

(ख) और (ग) सी बी आर आइ रूड़की द्वारा विकसित और विभिन्न सरकारी/अर्धसरकारी विभागों द्वारा भवन निर्माण के लिए अपनाई गई तकनीके संलग्न सूची (विवरण) में दी गई हैं।

नेशनल बिल्डिंग ऑर्गेनाईजेशन (एन बी ओ) ने केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सी बी आर आइ) में विकसित की गई बहुत सी तकनीकें, सामग्री और विशिष्टियों का उपयोग ग्रामीण और नगर क्षेत्रों के लिए साहित्य और अपने प्रायोगिक आकलन कार्यक्रम के अंतर्गत अपने आवास तथा गृह निर्माण योजनाओं में किया है। हाउसिंग एण्ड अरबन डवलपमैंट कॉरपोरेशन (एच यू डी सी ओ) ने कम लागत की बहुत सी आवासीय योजनाओं पर धन लगाया है जिनमें सी बी आर आइ की तकनीकों और वन निर्माण सामग्री का उपयोग किया है। लोक निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ्य और बहुत से राज्यों के आवास संबंधी विभागों द्वारा सी बी आर आइ की तकनीकों और अभिकल्पों, विशिष्टियों और संस्तुतियों का समावेशन कर बहुत सी निर्माण योजनाओं को कार्यान्वित किया है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

विवरण

केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सी बी आर आइ) रूड़की द्वारा विकसित और विभिन्न सरकारी/अर्ध सरकारी विभागों द्वारा भवन निर्माण के लिए अपनाई गई तकनीकें :

1. अन्डर-रीम्ड पाईल नींव;
2. चार मंजली इमारतों के लिए एकल मोटाई की भारवाहक ईंट की दीवारें;
3. पत्थर ब्लॉक मेसनरी;
4. पूर्व सांचित आर सी सी छत निर्माण और फर्श निर्माण प्रणाली;
5. पूर्व सांचित रि-इनफोर्सड ईंट पैनल छत निर्माण;
6. पूर्व सांचित आर सी सी थिन लिनटल्स;
7. प्लम्बिंग की सिंगल स्टेक प्रणाली
8. जलयुक्त चूना;
9. क्ले पोजोलेना; और
10. लोअर सीलिंग हाइट्स, आदि।

चन्दन के तेल, आदि का निर्यात

452. **श्री रामचन्द्र विकल** : क्या **वाणिज्य और पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चन्दन के तेल, नीबू के तेल तथा एलोकाष्ठ और इसके तेल (अगर) की कीमत क्या है जिनका गत तीन वर्षों के दौरान निर्यात किया गया था और इनका किन-किन देशों को निर्यात किया गया था;

(ख) क्या विदेशों में इन वस्तुओं को सुगंध/इत्र संबंधी उद्योग में मुख्य घटक के रूप में प्रयोग किया जाता है;